कार्रवाई — अवैध खनन व परिवहन पर जिला प्रशासन की सख्ती

पिटवा में गिट्टी का परिवहन करते हाईवा जब्त

नवभारत, बालाघाट। जिला बालाघाट में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 02 जनवरी 2026 को उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां के नेतृत्व में खनिज विभाग के अमले द्वारा रात्रि भ्रमण के दौरान ग्राम टिटवा, तहसील बालाघाट में अवैध रूप से खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए एक हाईवा वाहन क्रमांक स्क्क50- ॥-0645 को पकड़ा गया। वाहन को जप्त कर पुलिस चौकी चरेगांव की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। प्रकरण को म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत पंजीबद्ध कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने स्पष्ट किया है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सतत निगरानी रखी जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

धापेवाड़ा में वैनगंगा नदी में बनाया अस्थायी पुल ध्वस्त किया गया

इसी प्रकार ग्राम धापेवाड़ा, तहसील एवं जिला बालाघाट में खनिज रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की प्राप्त शिकायतों के आधार पर दिनांक 03 जनवरी 2026 को खनिज विभाग के अमले द्वारा वैनगंगा नदी क्षेत्र में कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में उपयोग किए जा रहे नदी में बने अस्थायी पुल को जेसीबी मशीन के माध्यम से ध्वस्त कर दिया गया। साथ ही मार्ग को पूर्णत: अवरुद्ध कर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई गई है, जिससे भविष्य में नदी से अवैध रेत खनन न किया जा सके।

शुद्ध पेयजल प्रदाय को लेकर बालाघाट में एहतियात

बालाघाट। आमजन को शुद्ध पेयजल प्रदाय करने के लिए बालाघाट जिले में भी एहतियातन कदम उठाए जा रहे हैं। शासन एवं कलेक्टर श्री मृणाल मीना द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में नगर पालिका परिषद वारासिवनी द्वारा पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की गई। इसी क्रम में दिनांक 03 जनवरी को नगर पालिका वारासिवनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा वार्ड क्रमांक 01, 03, 11, 12 एवं 14 में घर-घर जाकर प्रदाय किए जा रहे पेयजल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पेयजल की गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल लेकर परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सूर्य प्रकाश उके ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आईटीबीटी के सैनिक का प्रदीप जायसवाल ने किया सम्मान

खुशियों से परिवार की आंखें डबडबा गयी

नवभारत, वारासिवनी। वारा गोंडी टोला के निवासी अनिकेत कुमरे के भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस बल की ट्रेनिंग पुरी करके ग्राम पहुचने पर चैतरफा खुशियो का भाव देखा गया।

तमिलनाडु मे 44 सप्ताह के प्रशिक्षण के बाद ज्वाइनिंग के पूर्व वारा ग्राम पहुचने पर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने भी दुर्गम बर्फीली चोटियो पर देश की सीमाओ की रक्षा करने के जज्बे वाले अनिकेत का शाल श्रीफल से सम्मान किया। इन पलो मे परिवारजनो मे दादी श्रीमती गेंदा बाई, कलाबाई, किरण कुमरे, रानू कुमरे की आंखे भी खुंशियो के भाव से डबडबा गयी।

इन पलो मे प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये गुडडा भैया ने कहा की बधाई हो सैनिक, देश की सेवा का आपका यह सफर गौरवशाली है। यह सफलता आपकी कडी मेहनत और अनुशासन का नतीजा है। आप एक सैनिक ही नही बल्कि एक नायक बनने की राह पर हो, आपकी यह यात्रा अभी शुरू हुयी है।

दुसरी ओर पूछे जाने पर अनिकेत कुमरे ने कहा की यह उनकी मेहनत का परिणाम है की आज सफलता उन्हे मिली है। इसके पीछे उनके कोच धर्मेन्द्र चंदने का भी बराबर का योगदान है। आगे उनका लक्ष्य रहेगा की ग्राम के अन्य युवा भी मेहनत करके इसी तरह की सफलता को प्राप्त कर सके।

आज सम्मान के पलो मे विशेष रूप से सर्वश्री सुनील उइके,संतोष दमाहे,सुशील कुमरे,अजय सरोंदे,राज कोल्हटकर,सागर चैधरी, रवि चैधरी,अतुल उरकुडे आदि भी उपस्थित रहे।

खरखड़ी में राजा भोज की प्रतिमा के पास होगा सौंदर्यीकरण

नवभारत, खैरलांजी। खैरलांजी जनपद मुख्यालय अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खरखड़ी में स्थित बाजार चौक में स्थित चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज की प्रतिमा पूर्व में स्थापित की गई थी जिसमे भाजयुमो मंडल अध्यक्ष खैरलांजी मुकेश भगत द्वारा विधायक गौरव सिंह पारधी से सौंदर्यीकरण की मांग की थी जिस पर विधायक पारधी द्वारा विधायक निधी से 2.50 लाख रुपये की राशि दी थी जिस पर दिनाक 3 जनवरी को ग्राम के वरिष्ठ लोगो द्वारा भूमिपूजन किया गया । गौरतलब है की लगभग 10 वर्ष पूर्व गौरव पारधी द्वारा ही ग्रामीणों की मांग पर चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज की प्रतिमा दी गयी थी साथ ही ग्राम में ही छत्रपति शिवाजी महाराज और वीरांगना रानी अवंती बाई की प्रतिमा भी विधायक गौरव पारधी द्वारा दी गयी थी।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान सरपंच प्रतिनिधि नरेंद्र राहंगडाले ,टेकचंद चौधरी, तुकाराम भगत ,कृष्णा भगत, धर्मेंद्र शेंडे, हवसलाल पतले, रमेश तुरकर ,देवेंद्र कडव, मानिक सानसरोदे, मुन्ना तुरकर रंगलाल लिल्हारे, अशोक लिल्हारे ,अजय तुरकर, श्यामराव देवहारे, गेंदलाल राहंगडाले, बंटी कार्सपे, चित्तौड़सिंह तुरकर, बेनीराम पटले, नीलम भगत, विजय लिल्हारे, राजा भाउ डोंगरे, विकास ठाकरे सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

घर में चोरी की घटना का पर्दाफाश

1.50 लाख चोरी मामले में शत-प्रतिशत बरामदगी

नवभारत, बालाघाट। थाना ग्रामीण (नवेगांव) क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोंगलई में दिनांक 01.01.2026 को फरियादी जितेन्द्र उर्फ पिन्टू बसेने, उम्र 38 वर्ष, निवासी ग्राम गोंगलई, थाना ग्रामीण (नवेगांव), जिला बालाघाट के घर में अज्ञात व्यक्ति द्वारा बिस्तर पेटी का ताला तोड़कर पेटी में रखी लगभग ?1,50,000/- नगद राशि चोरी करने की घटना घटित हुई थी। इस संबंध में थाना ग्रामीण (नवेगांव) में अप.क्र. 0002/2026 धारा 305, 331(3) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए मुखबिर सूचना के आधार पर, क्षेत्र के ष्टष्टञ्जङ्क कैमरों के

अवलोकन, तथा हाल ही में जेल से रिहा हुए एवं निगरानी बदमाशों से पूछताछ की गई। उक्त कार्रवाई के दौरान प्रकरण में संलिप्त अपचारी बालक को चिन्हित कर पकड़ा गया तथा उसके कब्जे से चोरी गई नगद राशि की 100% रिकवरी की गई। आरोपी के अवयस्क पाए जाने पर उसे विधि अनुसार किशोर न्याय बोर्ड, बालाघाट के समक्ष प्रस्तुत किया गया।उक्त प्रकरण के सफल अनावरण एवं 100% माल मशरूका बरामदगी में थाना प्रभारी उप निरीक्षक अमित अग्रवाल, कार्य. सउनि प्रभुदयाल कानतोड़े, कार्य. सउनि जगदीश सैयाम, महिला कार्य. सउनि कविता मुर्खे, कार्य. प्र.आर. 08 मनीष ब्रम्हे, कार्य. प्र.आर. 1007 कृष्ण कुमार पटले,

आसूचना संकलन आर. 1125 शैलेष तेलंग, आर. 1132 धीरज कुमार सोनी,आर. 1508 राजा बाबू सचान, म.आर. 1178 सुनिता मेश्राम एवं म.आर. गजभिये का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर के हस्ते जेएसके बैंक के वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन

नवभारत, बालाघाट। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन 2 दिसंबर को कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री मृणाल मीना के करकमलों से किया गया।

इस अवसर पर बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिनव सिंह बघेल, उपायुक्त सहकारिता श्री राजेश उईके, प्रबंधक लेखा श्री पी. जोशी एवं स्टोर प्रभारी श्री सारंग बिसेन उपस्थित रहे।

बैंक सीईओ श्री बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कैलेंडर में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, सेवाओं एवं गतिविधियों का समावेश किया गया है। यह कैलेंडर जिले के सहकारी क्षेत्र से जुड़े प्रबुद्धजनों एवं बैंक के अमानतदारों को वितरित किया जाएगा, जिससे बैंक की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके और अधिक से अधिक आमजन इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

जीवंत सांस्कृतिक पुरुष हैं पं . सुधाकर शर्मा : डॉ . जितेन्द्र कुमार

नवभारत, बालाघाट। ज्योतिष एवं भागवताचार्य पं. राजेश दुबे ने बालाघाट के सुप्रसिद्ध साहित्यकार पं. सुधाकर शर्मा के जन्मदिवस की पूर्व वेला में कहा कि मैंने जब से होश सॅंभाला,तब से अनेक शास्त्रज्ञ विद्वानों, पंडितों, ज्ञानियों के सत्संग का भरपूर लाभ उठाया है! नाना प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, धनीमानियों का सान्निध्य पाया परंतु मैं यह सगर्व कहना चाहता हूॅं कि मैंने पं. सुधाकर शर्मा जैसा सहृदय, संवेदनशील,सहज और उदारमना विद्वान व्यक्ति नहीं देखा! मैं यहाॅं यह स्पष्ट करना चाहता हूॅं कि उन्हें आस्तीन में साॅंपों को पालने का भी जबर्दस्त शौक है! जो समय - समय पर उन्हें भी फुॅंफकार से डराने का भरसक प्रयास करते रहते हैं! वे तब भी ऐसे हुनर बाजों को गले में लपेटे रहते हैं,हॉलाकि

उनके इस स्वभाव से मुझे कभी कभी खीज़ भी होती है! आज उनके सत्तर वर्ष पूरे होने जारहे हैं,कल से वे इकहत्तरवें वर्ष में प्रवेश कर जायेंगे! मेरे लिए तो वे बड़े भाई, अभिभावक, गुरु आदि सब कुछ हैं, भगवान से प्रार्थना है कि पंडित सुधाकर शर्मा जैसे यशस्वी कवि को वे शतायु करें! मैं मानता हूॅं कि यदि वे चाहते तो लाखों - करोड़ों पीट डालते! बालाघाट के अनेक कवियों - पत्रकारों को कलम पकड़ने - चलाने का ज्ञान कराने वाले पंडित

सुधाकर शर्मा को इस बात का कभी कोई अहंकार नहीं रहा! मैं देश के प्रतिष्ठित साहित्यकार - इतिहासकार डॉ जितेन्द्र कुमार सिंह संजय (राजा साहब)के प्रस्तुत अभिमत से सहमत हूॅं --

'पंडित सुधाकर शर्मा जीवंत सांस्कृतिक पुरुष हैं! उनके भीतर कविता और संगीत का,धर्म और अध्यात्म का,लोक और वेद का,तंत्र और ज्योतिष का,समय और समाज का, इतिहास और राजनीति का विराट समन्वय है!'

इस अवसर पर प्रकाश दुबे, ब्रजेश मिश्रा, आशीष श्रीवास, राजेश चौरे, सुनील कोरे ने भी पंडित सुधाकर शर्मा के सृजनात्मक व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला! यह बालाघाट के प्रबुद्ध वर्ग के लिए अत्यंत ही गौरव का विषय है कि जहाॅं एक ओर महादेवी वर्मा, शिवमंगल सिंह सुमन, हरिवंशराय बच्चन,पं. नरेंद्र शर्मा, हरिहर निवास द्विवेदी, धर्मवीर भारती, बलवीर सिंह रंग,दामोदर स्वरूप विद्रोही, नीरज, सोम ठाकुर जैसे मनीषी साहित्यकारों ने शर्मा के प्रातिभ व्यक्तित्व की सराहना की, वहीं दूसरी ओर देश के मूर्धन्य राजनीतिज्ञों - समाजसेवकों - स्वनामधन्य स्वतंत्रता सेनानी पं. परमानंद , सदाशिवराव मलकापुरकर, भगवानदास माहौर और सर्वोदयी जयप्रकाशनारायण, प्रभा जी, एस एन सुब्बाराव, राधेश्याम योगी, लोकेंद्रभाई सहित नाना जी देशमुख, राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री मंत्री नरेन्द्र मोदी आदि ने पं. सुधाकर शर्मा को अधिमानित और गौरवान्वित किया है।

आमानाला से नक्सली विस्फोटक, डंप बरामद

नवभारत, बालाघाट। समर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर सीआरपीएफ की 123 बटालियन ने शनिवार को रूपझर थाना क्षेत्र के दुगलई आमानाला से एक नक्सली विस्फोटक डंप बरामद किया है। नक्सलियों ने इसे एक प्लास्टिक केन में छिपाकर रखा था।

भारत सरकार ने 31 मार्च 2026 तक बालाघाट जिले को नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था। हालांकि, बालाघाट पुलिस और सुरक्षाबलों ने दिसंबर 2025 में ही जिले को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त कर दिया था। इसके बाद से प्रदेश में नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो गया है।

जानकारी ले रही है पुलिस

अब बालाघाट पुलिस और सुरक्षाबल समर्पित नक्सलियों से छिपे हुए डंप की जानकारी ले रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर

जंगल क्षेत्रों में छिपाकर रखे गए नक्सली डंप बरामद किए जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता था।

हाई एक्सप्लोसिव सहित अन्य सामग्री जब्त

आईजी संजय कुमार के नेतृत्व में सुरक्षाबलों ने आत्मसमर्पित नक्सलियों और उनके सहयोगियों से पहले भी हथियारों, बड़ी मात्रा में नकदी और दैनिक उपभोग की सामग्री सहित कई डंप बरामद किए हैं। रूपझर थाना क्षेत्र के आमानाला से बरामद इस डंप में हाई एक्सप्लोसिव सहित अन्य सामग्री मिली है, जिसे सीआरपीएफ 123 के जवानों ने जब्त कर लिया है।

प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों के विक्रय के लिए संभाग के सभी जिलों की 35 मंडियों में स्थान चिन्हांकित

नवभारत, बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में अक्टूबर माह में हुई बैठक के निर्णयों के अनुसार, आगामी वर्षों में प्राकृतिक खेती अपनाने वाले कृषकों को कृषि आदान तैयार करने में बड़ी सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत संभाग में क्लस्टरों के माध्यम से किसानों को तकनीकी जानकारी और प्राकृतिक खाद व दवाइयां बनाने की विधियां सिखाई जा रही हैं। सरकार की ओर से कृषि सखियों और बीआरसी के माध्यम से कम से कम एक एकड़ पर प्राकृतिक खेती शुरू करने के लिए प्रथम वर्ष में चार हजार रुपये की अनुदान राशि दी जाएगी ताकि किसान अपने पूरे रकबे को इस पद्धति में बदलने के लिए प्रेरित हो सकें। संयुक्त संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि प्राकृतिक खेती की इस मुहिम में कृषि सखियां अपने क्लस्टर की धुरी के रूप में कार्य करेंगी और अन्य किसानों को प्रशिक्षित करेंगी। किसानों को बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, दशपर्णी अर्क और विभिन्न जैव रसायनों जैसे प्राकृतिक आदानों को तैयार करने और उनके उपयोग की उचित प्रथाओं के बारे में बताया जाएगा। इसके साथ ही खेती की उन्नत पद्धतियों जैसे न्यूनतम जुताई, उचित जल प्रबंधन, सहयोगी फसलों का चयन और देशी बीजों के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। इन उत्पादों के प्रमाणीकरण के लिए मध्य प्रदेश शासन ने क्षेत्रीय परिषदों की नियुक्ति की है, जिसमें जबलपुर संभाग के लिए जय भारती शिक्षा केंद्र को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

किसानों को उनके प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों के विक्रय में सहायता करने के लिए संभाग के सभी जिलों की 35 मंडियों में स्थान चिन्हांकित किए गए हैं। इसके अलावा जिला स्तर पर नगर निगम, नगर पालिका और अन्य शासकीय संरचनाओं में भी इन उत्पादों के विक्रय को प्रोत्साहित किया जाएगा। वर्तमान में जैविक या प्राकृतिक खेती कर रहे कृषकों से यह आग्रह किया गया है कि वे नजदीकी कृषि विभाग के कार्यालय में अपना घोषणापत्र जमा कर प्रमाणपत्र और पहचान पत्र प्राप्त करें ताकि उपभोक्ताओं के बीच उनके उत्पादों की विश्वसनीयता बनी रहे। संभाग के विभिन्न जिलों में कुल 211 बीआरसी नियुक्त किए गए हैं जिनके माध्यम से किसानों को आवश्यक जैविक सामग्री उपलब्ध हो सकेगी।

मां रेवा प्रसादी प्रकल्प के पांच वर्ष हुए पूर्ण

रामबाग। सूर्यकुण्ड धाम में संचालित मां रेवा प्रसादी प्रकल्प के सेवा कार्यों के 5 वर्ष पूर्ण होने पर श्री हनुमान जी महाआरती एवं भंडारा समिति सूर्यकुण्ड धाम द्वारा बीती एक जनवरी को माँ नर्मदा को 56 भोग अर्पित किया गया। इस दौरान समिति द्वारा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति के सदस्यों ने बताया कि परिक्रमावासियों की सेवा के लिए विगत 5 वर्ष से सूर्यकुण्ड धाम सकवाह, रामबाग, पुरवा में संचालित प्रकल्प निरंतर संचालित है। बताया गया कि 1 जनवरी को 5 वर्ष पूर्ण होने की खुशी में समिति द्वारा विशेष आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जिले समेत अन्य जिलों के भक्तों का तांता लगा रहा। जिन्होंने यहां पर पूजन पाठ के साथ यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

देवरी कला में हर्षोल्लास के साथ मनाया हर सुदन पर्व

मण्डला, बबलिया। ग्राम देवरी कला बबलिया में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्राचीन परंपराओं के अनुसार हर सुदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल कृषि संस्कृति का प्रतीक रहा, बल्कि इसमें सामाजिक सुधार और ग्राम विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। इस दौरान देवरी कला बबलिया के बड़गड़िया टोला में शराब पीने, वाद विवाद करने और सामाजिक माहौल खराब करने वालों पर तीन हजार का जुर्माना का प्रावधान समिति द्वारा लिया गया है। इसके साथ ही ऊपरटोला में शराबबंदी लागू करने का निर्णय लिया गया।कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक विधि-विधान से हुई। सर्वप्रथम धरती मां की पूजा की गई, जिसके बाद माता खेर माई और शीतला माता की विशेष पूजन, अर्चना किया गया। पूजा के बाद हल-बैल फांदकर खेत जोतने का शुभ मुहूर्त निकाला गया। ग्रामीणों की मान्यता है कि इस परंपरा से वर्ष भर खेती-किसानी में कोई बाधा नहीं आती और फसल भरपूर पैदा होती है।

सामाजिक सुधार के लिए शराबबंदी का लिया निर्णय

इस वर्ष हर सुदन कार्यक्रम केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहा। ग्राम समिति ने देवरी कला बबलिया के ऊपर टोला में पूर्ण शराबबंदी करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इसके साथ ही गांव के बड़गड़िया टोला में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह तय किया गया कि गांव में शराब पीने वाले, वाद विवाद करने और सामाजिक माहौल खराब करने वालों पर तीन हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया जाएगा।

समिति ने प्रस्तुत किया वर्ष भर का लेखा-जोखा

बताया गया कि ग्राम समिति की मजबूती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जुर्माने और अन्य माध्यमों से अब तक समिति के पास 18 हजार रुपये की राशि एकत्रित हो चुकी है। इस राशि का उपयोग ग्रामवासियों की मदद के लिए किया जाता है। समिति जरूरतमंद ग्रामीणों को 5 रुपये सैकड़ा के ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराती है। कार्यक्रम के दौरान साल भर के आय-व्यय का पूरा लेखा-जोखा भी ग्रामवासियों के समक्ष पारदर्शी तरीके से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

ग्राम देवरी कला बबलिया में आयोजित हर सुदन पर्व में गांव के रहन-सहन, मजदूरी दर और आपसी भाईचारे पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से धर्म सिंह कुलस्ते, राजाराम मरावी, राजकुमार भवेदी, अनूप सिंह धुर्वे, बलमत सिंह, ज्ञान सिंह, सचिन, अरविंद सिंह और अंतराम पंडा सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।